विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों, सर्वविदित है कि आज समूचा देश जल संबंधी समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहा है। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा, मानव जाति को चैन से बैठने नहीं दे रहा है। लेकिन दुर्भाग्य की बात तो यह है कि आज हमें पीने के लिए जो जल मिलता है उसकी गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है।

प्रिय पाठकों, आपको विश्वास नहीं होगा कि जबसे हमारे संस्थान ने हिन्दी में अपनी इस तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को प्रकाशित करने का फैसला किया है, और सितम्बर–2011 में इसके एक प्रारूप को तैयार कर के आपकी प्रतिक्रियाऐं प्राप्त करने हेतु प्रकाशित किया है, तभी से हमारे पास बहुसंख्य प्रबुद्ध पाठकों के प्रशंसा पत्र, फोन तथा मेल आ चुके हैं और कई पाठको ने तो अपनी स्थानीय समस्याओं के बारे में लिखकर उनका समाधान बताने के लिए अनुरोध भी किया है। इन्हीं समस्याओं के बारे में सुनकर हमें पूरे देश में बढ़ रहे जल संकट के संबंध में पता लगता है। हमारा ध्यान इस ओर है तथा हमारे वैज्ञानिक और अधिक एकाग्रता से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। पाठकों की अत्यधिक प्रशंसनीय प्रतिक्रियाऐं मिलने से जो हमारा प्रोत्साहन बढ़ा है उसी से प्रेरित होकर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान ने अनुमोदित तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" को नियमित रूप से प्रकाशित करने का फैसला किया है जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों से जल एवं जल से सम्बंधित सुसंगत सामग्री का चयन कर एक आम आदमी की जानकारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

इस पत्रिका के अन्तर्गत तकनीकी लेखों के अतिरिक्त लघु लेख, कविता, प्रश्नोत्तरी, शिक्षा एवं रोजगार जैसे सन्दर्भों को भी समुचित स्थान दिया गया है।

जल जैसे महत्वपूर्ण विषय पर हिन्दी के माध्यम से तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" का प्रकाशन संस्थान के अन्य कार्यक्रमों के साथ–साथ एक विशिष्ट प्रयास है। हम जानते हैं कि किसी भी पत्रिका की पूर्ण सफलता के पीछे उसके सुधी पाठकों की राय व सुझाव ही पहली सीढ़ी होते हैं। अतः आप सभी पाठकों की राय जानकर आपके सुझावों पर अमल करना हमारा उद्देश्य होगा।

हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप सूचना प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नोलॉजी, जैवप्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान के साथ–साथ भौतिक एवं रसायन विज्ञान में भी जल के उपयोग से सम्बन्धित उपलब्धियों को केन्द्र बिन्दु बनाते हुए अपने लेख भेजने का कष्ट करें।

हम उन सभी लेखकों का सम्मान करते हैं जो अपने लेख यूनिकोड प्रणाली या पेज मेकर (6.5 या 7.0) में कृतिदेव–10 का प्रयोग करते हुए प्रकाशन हेतु हमें भेजने का प्रयास करेगें। लेख अगर तथ्यों पर आधारित हो और रंगीन चित्रों से सुसज्जित हो तो अधिक लोकप्रिय हो सकेगा।

हम जानते हैं कि इस पत्रिका को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाना सिर्फ आप ही पर निर्भर करता है। हम विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर तथा अनुसंधानकर्त्ताओं से निवेदन करते हैं कि आप इस पत्रिका से किसी न किसी रूप में अवश्य जुड़ें और समय–समय पर प्रकाशन हेतु उत्कृष्ट एवं जनोपयोगी सामग्री रंगीन एवं आकर्षक चित्रों सहित हमें भेजते रहें ताकि उसे और अधिक आकर्षक रूप में ढालते हुए हम शीघ्रातिशीघ्र प्रकाशित कर सकें।

हमारा यह भी अनुरोध है कि किसी भी रचना को लिखने का कार्य प्रांरभ करने से पहले हमसे सम्पर्क अवश्य साध लें क्योंकि कभी–कभी एक ही विषय पर लगभग एक जैसी सामग्री एक से अधिक लेखकों द्वारा भेज दी जाती है। ऐसी स्थिति में सभी लेखों को प्रकाशित करना मुश्किल हो जाता है। अतः टेलीफोन या मेल द्वारा सम्पर्क साधकर वार्तालाप के उपरान्त ही रचनाओं को भेजना इस समस्या का समाधान हो सकता है। राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा पत्रिका में छपे लेखों के प्रबुद्ध लेखकों को निंधारित दरों से भुगतान करने का भी प्रावधान हैं।

रमा मेहता,
सम्पादक, जल चेतना
वैज्ञानिक एवं हिन्दी अधिकारी
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की–247667, जिला–हरिद्वार
(उत्तराखंण्ड)
Email : rama@nih.ernet.in
दूरभाष : 01332–249228
मो : 09411774278